Edit with WPS Office

अमित त्रिवेदी

साए (कहानी)प्रश्नोत्तर

प्रश्न : पत्नी के पास महीनों तक पत्र क्यों नहीं आया?

उत्तर :अज्जू के पापा काफी दिनों से बीमार चल रहे थे ।वे अस्पताल में भर्ती थे।इस कारण अज्जू की माँ(उनकी पत्नी)के पास महीनों तक कोई पत्र नहीं आया ।

प्रश्न: पत्र के मिलने का परिवार वालों पर क्या प्रभाव पड़ा?

उत्तर : पत्र मिलने के बाद परिवार में जान-सी आ गई ।बच्चों के मुरझाए चेहरे खिल उठे ।उनकी माँ की तबीयत भी थोड़ी सुधरी।

प्रश्न : सहज रूप से तनु के लिए वर मिल जाने का कारण बताइए ।

उत्तर : तनु के शहर में यह खबर फैली थी कि उसके पिता अफ्रीका में काफी धन कमा रहे हैं।इस कारण उसके लिए वर सहज रूप से मिल गया ।

Edit with WPS Office

प्रश्न :घर से जाने वाले पत्र में अज्जू के बारे में क्या - क्या लिखा था?

उत्तर :घर से जाने वाले पत्र में अज्जू के बारे में कई बातें लिखी थीं।जैसे उसने बारह साल की उम्र में छठवीं पास करके पूरी कक्षा में पहला स्थान हासिल किया ।मास्टर जी का कहना है कि वह वजीफा भी पाएगा ।इससे वह आगे की पढ़ाई जारी रख पाएगा।वह बड़ा होकर इंजीनियर बनना चाहता है ।वह पापा की तरह अफ्रीका में नौकरी करना चाहता है ।

दीर्घोत्तरीय प्रश्न

प्रश्न १: पत्र को अजीब क्यों कहा गया है?

उत्तर : पत्र बहुत दर्द भरा था ।उसमें अज्जू के पापा की सारी तकलीफ़ें झाँक रही थीं।रंग भेद के कारण उन्हें यूरोपियन अस्पताल में जगह नहीं मिलने में काफी मशक्कत करनी पड़ी ।इस कारण काफी देर हो गई जिससे रोग काबू से

Edit with WPS Office

बाहर हो गया ।उन्होंने लिखा था कि डॉक्टरों ने ऑपरेशन की सलाह दी है, ,किंतु कुछ फायदा नहीं है ।अब वह चंद दिनों का मेहमान है।उसे परिवार की काफी चिंता है और वह बेबस है।ऐसी लाचारी भरा पत्र कभी नहीं आया था।इस कारण पत्र को अजीब कहा गया है ।

प्रश्न २• यदि पिता के दोस्त उनके परिवार वालों को उनकी मृत्यु की खबर तभी दे देते तो क्या परिणाम होता?विस्तार से उत्तर दीजिए ।

उत्तर : यदि पिता के दोस्त उनके परिवार वालों को उनकी मृत्यु की खबर तभी दे देते तो इसके निम्नलिखित परिणाम होते-

(क) माँ की असमय मृत्यु : पति के मृत्यु की खबर पाकर अज्जू की बीमार माँ का भी असमय निधन हो जाता ।ऐसी दशा में अज्जू और उसकी बहन अनाथ हो जाते और उनका पालन-पोषण मुश्किल हो जाता ।

Edit with WPS Office

(ख)बच्चों का अंधकारमय भविष्य : पिता की मृत्यु से बच्चों का भविष्य अंधकारमय हो जाता ।वह अच्छे से पढ़ न पाते।अज्जू तब इंजीनियर बनने का ख्वाब भी न पाल पाता।तनु की शादी भी उतनी आसानी से न हो पाती जितनी आसानी से वह हो गई ।

प्रश्न ३• प्रस्तुत पाठ के आधार पर 'मैत्री' विषय पर अनुच्छेद लिखिए ।

उत्तर : 'मित्र' शब्द का भाववाचक रूप मित्रता या मैत्री होता है ।मित्रता की नींव दो मित्रों के संयुक्त प्रयास से पड़ती है ।इसका प्रमुख आधार विश्वास होता है। एक सच्चा मित्र अपने मित्र के दुख को अपना दुख मानता है ।वह उसके सुखी रहने में ही अपना सुख मानता है।प्रस्तुत पाठ में अज्जू के पापा अपने मित्र को अफ्रीका बुलाते हैं तथा काम सिखाकर अपने कारोबार में शामिल करते हैं।वह मित्र भी उनसे किए गए वादे को निभाने के लिए अपनी पूरी जिंदगी दाँव पर लगा देता है।वह मित्र

Edit with WPS Office

के हिस्से का हमेशा ख्याल रखते हुए उसके बच्चों की पूरी परवरिश करता है।बेटे और बेटी को पढ़ाकर काबिल बनाता है वह किसी भी तरह से उसकी कमी को जाहिर नहीं होने देता; क्योंकि उसका मकसद मित्र के सपनों को साकार करना था।इस प्रकार मित्रता में सिर्फ देने का भाव होता है ।वहाँ घात-प्रतिघात, स्वार्थपरता का नामोनिशान नहीं रहता ।